कोट ऑफ द डे »

जुर्गेन क्लिंसमैन, अमेरिका के कोच

ईश्वर करे वर्ल्डकप में फिक्सिंग की बात गलत साबित हो। यदि यह सच साबित होता है, तो फिर खेल पर से ही लोगों का भरोसा उठ जाएगा।

नहीं थम रहा विरोध

फीफा वर्ल्डकप अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, लेकिन ब्राजील में विरोध प्रदर्शन अभी भी जारी हैं। मंगलवार को प्रदर्शन करते लोग।

अर्जेंटीना की रोमांचक जीत

स्विट्जरलैंड को 1-0 से हराया पूर्व चैंपियन ने, एक्स्ट्रा टाइम में हुआ मैच का फैसला, मारिया ने किया गोल

एजेंसी | साओ पाउलो

फॉरवर्ड एंजल डि मारिया के अतिरिक्त समय के 28वें मिनट में किए गए गोल की मदद से अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 1-0 से हराकर वर्ल्डकप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्विट्जरलैंड ने पूर्व विजेता अर्जेंटीना को अंत तक संघर्ष के लिए बाध्य किया।

मैच अंत तक रोमांचक रहा। सुपर स्टार लियोनेल मैसी कोई गोल नहीं मार सके, लेकिन मारिया ने उन्हीं के पास पर बाएं पांव से प्रहार कर विजयी गोल दागा। मैच खत्म होने के एक मिनट पहले स्विट्जरलैंड के जमीली ने हैडर से गोल मारने का सुनहरा मौका गंवाया, अन्यथा मैच पेनल्टी शूटआउट तक बढ़ जाता।

मैच में अर्जेंटीना ने 4-2-3-1 और स्विट्जरलैंड ने 4-3-3 शैली से आक्रमण की व्यूह रचना की। अर्जेंटीना ने अपने सितारा खिलाड़ी मैसी, लवेजी, हिगुईन और डि मारिया के और स्विट्जरलैंड ने सुपर स्टार शकीरी, ड्रमिक और ए. महमदी के सहारे हमलों की शुरुआत की।

एक्सट्रा टाइम में 2-1 जीता से बेल्जियम

वर्ल्ड कप के आखिरी रोमांचक प्री- क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेल्जियम ने अतिरिक्त समय में अमेरिका को 2-1 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद 30 मिनिट के अतिरिक्त समय के तीसरे मिनिट में बेल्जियम के लिए केविन ने पहला गोल दागा। इसके बाद 15 वें मिनिट में लुकाकु ने दूसरा गोल कर 2-0 की बढ़त ले ली। जवाब में अमेरिका ने भी वापसी करते हुए 17 वें मिनिट में पहला गोल किया, लेकिन जीत नहीं सका।

स्विट्जरलैंड के स्टीफन और अर्जेंटीना के डि मारिया के बीच गेंद पर नियंत्रण की होड़।

अर्जेंटीना 9वीं बार क्वार्टर फाइनल में

अर्जेंटीना ने नौवीं बार वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने इससे पहले 1930, 1966, 1978, 1986, 1990, 1998, 2006, 2010 में भी अंतिम आठ में जगह बनाई थी। 1978 और 1986 में टीम ने अपने सफर को आगे बढ़ाते हुए खिताबी जीत दर्ज की थी।

स्कोर बोर्ड

अर्जेंटीना	स्विट्जरलैंड
01	00

यैलो कार्ड

अर्जेंटीना : डि मारिया, रोजो व गैरी
स्विट्रलैंड : फर्नांडिस व झाका

गोल मिनट्स

62 फीसदी पजेशन अर्जेंटीना के पास रहा मैच में।

714 पास किए अर्जेंटीना ने।

47 फाउल हुए मैच में। 28 स्विट्जरलैंड के

वर्ल्डकप में अब तक

गोल मीटर

(अर्जेंटीना-स्विट्जरलैंड मैच तक)

टॉप स्कोरर

05 गोल
जेम्स रोड्रिज (कोलंबिया)

55 मैच हो चुके हैं। 46 मैचों के परिणाम निकले, नौ ड्रॉ रहे।

अनुशासनहीनता के मामले

158 यैलो कार्ड दिखाए गए हैं अब तक।

10 रेड कार्ड का सामना करना पड़ा खिलाड़ियों को।

वर्ल्डकप डायरी

फुटबॉल की दीवानगी चरम पर

प्रकाश पुरोहित | रियो डि जनेरियो

एक तो शहद ऊपर से शक्कर, तो फिर इससे बढ़िया और क्या हो सकता है। कुछ यही हाल ब्राजील वालों का हो रहा है। फुटबॉल के नाम पर ये लोग वैसे ही नाचने लगते हैं और अगर वर्ल्डकप फुटबॉल हो और वह भी ब्राजील में ही, तो इन्हें रोकना तूफान को जाल में समेटने जैसा है। ब्राजील की सरकार को इसका अंदाजा तो था कि फुटबॉल मैचों के दौरान इस देश में कोई काम काज नहीं होगा। यह भी नहीं किया जा सकता कि पूरे देश को एक माह की छुट्टी पर भेज दिया जाए। सरकारी तो फिर भी ठीक हैं, प्राइवेट कर्मचारियों को भी काम पर लाना हंसी-खेल नहीं है। ये तो ऐसे दीवाने हैं कि कहो तो नौकरी छोड़ दें, लेकिन फुटबॉल मैच नहीं छोड़ सकते।

ब्राजील सरकार ने तो अपने कर्मचारियों के लिए यह इंतजाम कर दिया कि जिस दिन ब्राजील का मैच होगा, उस दिन सभी कर्मचारी सुबह एक घंटे जल्दी दफ्तर आएंगे, यानी आधे दिन की छुट्टी सरकार की तरफ से हर मैच के लिए दे दी गई। सरकार ने कर्मचारी यूनियनों से यह भी वादा ले लिया कि वर्ल्डकप खत्म होने के बाद सभी कर्मचारी अतिरिक्त काम करेंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो सरकार को पूरा हक होगा कि आधे दिन का वेतन काट ले। अभी तक तो यही चल रहा है कि मैच वाले दिन सरकारी दफ्तरों में आधे दिन की छुट्टी होती है, लेकिन यहां के लोगों को यकीन है कि यदि ब्राजील कहीं कप जीत गया, तो पहली मांग यही होगी कि छुट्टी के बदले ओवर टाइम नहीं लिया जाए। ऐसे में सरकार भी दरियादिली दिखाने में पीछे नहीं रहेगी। कुछ भी हो, अभी तो सभी कर्मचारियों को आधे दिन की छुट्टी या मैच देखने का मौका सरकार की तरफ से दिया जा रहा है। मुश्किल तो प्राइवेट वालों की है, इसलिए वहां यह इंतजाम है कि मैच के दौरान जो कर्मचारी ऑफिस आएगा, उसे टीवी पर मैच देखने की सुविधा तो मिलेगी ही, अलग से पैसा भी दिया जाएगा। मजे में वो लोग हैं, जो ब्राजील के नहीं हैं। टीवी पर मैच भी देख रहे हैं और ओवर टाइम कमा रहे हैं सो अलग। ब्राजील वाले तो ऐसा घाटे का सौदा करने से रहे!

उम्मीद पर खरी नहीं उतरीं अफ्रीकी टीमें

कबीर महाजन | दुनिया ने ऐसी अफ्रीकी टीम का लंबा इंतजार किया है, जो वर्ल्डकप में अच्छा प्रदर्शन कर सके। अफ्रीकी खिलाड़ियों की प्रतिभा से सभी परिचित हैं। ये खिलाड़ी और उनकी टीमें समय-समय पर चमकती रही हैं, लेकिन इनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है। इस वर्ल्डकप में हिस्सा ले रही अफ्रीकी टीमों के अधिकतर खिलाड़ी या तो यूरोप में पैदा हुए हैं या वहां खेलते रहे हैं। इस कारण माना जा रहा था कि उनके पास क्वार्टर फाइनल या इससे आगे जाने का अच्छा मौका है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पिछले वर्ल्डकप की तरह इस बार भी क्वार्टर फाइनल में एक भी अफ्रीकी टीम नहीं है। अल्जीरिया की जर्मनी से हार के साथ ही ऐसी सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। अल्जीरिया की टीम में फ्रांस से संबंध रखने वाले सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। इसके 23 में से 17 खिलाड़ियों का जन्म यूरोप में हुआ है। अधिकतर खिलाड़ी अरेबिक या कबीलाई भाषा बोल भी नहीं पाते। वे जिस देश की जर्सी पहनते हैं, उसके बारे में भी ज्यादा नहीं जानते। बहरहाल, अल्जीरिया ने तो अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया, लेकिन बाकी टीमों ने निराश ही किया।

अफ्रीकी टीमों की समस्या सिर्फ खराब प्रदर्शन ही नहीं है। वे वेतन और बोनस विवाद के अलावा अनुशासनहीनता की समस्या से जूझती रही हैं और अब तो कैमरून की टीम पर मैच फिक्सिंग का आरोप भी लग गया है। अफ्रीकी टीमें अपने खराब प्रदर्शन के लिए पैसों और प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी और घरेलू हालात को जिम्मेदार बताती रही हैं, लेकिन कोस्टारिका, कोलंबिया, चिली जैसे मध्य और दक्षिण अमेरिकी देशों की समस्याएं भी कमोबेश वैसी ही हैं। इसके बावजूद उन्होंने वर्ल्डकप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से फुटबॉल प्रेमियों के दिल जीत लिए हैं। बहरहाल, अफ्रीकी टीमों के लिए अब यह वक्त आत्मनिरीक्षण का है। तब तक अफ्रीकी टीम के विश्व स्तर पर अच्छे प्रदर्शन का इंतजार जारी है।

भास्कर कॉन्टेस्ट

28 जून के विजेता

नरेन्द्र कुमार जायसवाल (जयपुर), तरुण कावत (सवाईमाधोपुर), हरीश कुमार (जयपुर), विक्रम सिंह राठौर (झालावाड़), मो.हुसैन (पाली), सलिगराम गौर (जयपुर), आलोक शर्मा (पाली), राकेश कुमार गुप्ता (झालावाड़), दुर्गाराम भारी (चुरु), अभिषेक वर्मा (सीकर), अशोक कुमार लूनिया (झुंझुनूं), मनिलाल मीना (डुंगरपुर), निमित जैन (अजमेर), मनमोहन सिंह (जयपुर), गिरीश बराडा (डुंगरपुर), पवन शर्मा (बीकानेर), निखिल संगदान (जोधपुर), उत्तम सिंह (चुरु), मोहन जगदलाई (उज्जैन), अक्षत श्रीवास्तव (भोपाल), संजय सास्त्वत (रतलाम), बालाजी चैतन्य (इंदौर), उत्तम शर्मा (ग्वालियर), गिरराज झानदानी (बीकानेर), धर्मेन्द्र कुमार शर्मा (बीकानेर), बनवारी लाल (चुरु), राहुल तोमर (धौलपुर), सुशील कुमार (झुंझुनू), प्रवीण बिलाई (इंदौर), शिवनंदन ध्रुव (दुर्ग), अरविंद कुमार सीठा (भोपाल), गणेश राम यादव (रायपुर), मो.अल्ताफ (झुंझुनूं), देवेन्द्र चौधरी (जोधपुर), अरविन्द आनंद (झालावाड़), गजेन्द्र (श्रीगंगानगर), गुरुदत्त वर्मा (सीकर), गंगाराम सोलंकी (उज्जैन), कुणाल सिंह वर्मा (भिलाई), भूषणलाल साहू (रायपुर), प्रीतेश राठौर (रायपुर), विनसेंट जॉन (खंडवा), रौनक वेंदवाल (देवास), कुंदन सिंह चौहान (इंदौर), मनीष कुमार दारजी (अहमदाबाद), संदीप (सूरत), कमलेशभाई सेंता (भावनगर), मालव अश्विनभाई मेहता (अहमदाबाद), परमार घनश्याम जयंतीभाई (अहमदाबाद), मयूर कुमार सुरेशभाई (राजपीपला), राजेश भटेलिया (राजकोट), गोविंद बरिया (सूरत), नितिन संगम (अमरावती), उमेश गाड़गे (अकोला), दत्ताद्रेया (सोलापुर), आकाश राजेन्द्र तिवारी (जालना), बालकृष्ण कोंडा (सोलापुर), पवन गर्ग (हांसी), रमेश शर्मा (भिवानी), आरके पूनिया (पानीपत), राजकुमार (झज्जर), सतबीर सिंह (हिसार), जसप्रीत कौर (जमुनानगर), राजेन्द्र कुमार (हिसार), सूरज भान (सिरसा), विजेन्द्र मलिक (पानीपत), रजत यादव (महेन्द्रगढ़), राकेश कुमार रोहिला (रोहतक), नीलम रानी (सोनीपत), सादिर हुसैन (मेवात), एसके शर्मा (चंडीगढ़), एलएन सैयद (अहमदाबाद), सेजल चौधरी (पतान), जयेशभाई पटेल (सूरत), निलेश वासुदेव घड़ियाली (अहमदाबाद), केके मतांग (कच्छ), मोहित कंसाल (जयपुर), बलविंदर कौर सैनी (मोहाली), हरसिमरन सिंह (लुधियाना), भूपिंदर सिंह (पटियाला), विपुल कुमार (चंडीगढ़), सतिंदर कौर (चंडीगढ़), संजीव कुमार (रूपनगर), राजिंदर कुमार (संगरूर), अनुराग अरोरा (मोगा), अशोक कुमार (भटिंडा), अनिल मेहता (जालंधर), एमडी निसार आलम (जमशेदपुर), अनिल कुमार यादव (जमशेदपुर), हरसिमरन सिंह (चंडीगढ़), रंजन कुमार पाल (जमशेदपुर), मोजम्मिल अंसारी (रांची), मनीष कुमार पटेल (रांची), पुष्पा कुमारी (बोकारो), प्रदीप नारायण (पटना), ऋषिकेश शर्मा (रांची), इरफान अहमद घानी (रांची), मुकुल कुमार (पटना), अजय दिवाकर (भोपाल), जितेन्द्र कुमार (नई दिल्ली), राजरोहन (नई दिल्ली), समाधान दौध (औरंगाबाद), रविकुमार चौपड़ा (सोलापुर), नितिन बसंतराव माली (जालना), अमोल सूतकर कथार (औरंगाबाद), पुरुषोत्तम गोदुर (सोलापुर)।

पुरस्कार वितरण संबंधित जानकारी विजेताओं को फोन पर दी जाएगी।

जीतू राय बने दुनिया के नंबर एक शूटर

एअर पिस्टल : रैंकिंग में शीर्ष पर आए भारतीय निशानेबाज

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के जीतू राय विश्व के नंबर एक एअर पिस्टल शूटर बन गए हैं। हाल ही संपन्न आईएसएसएफ वर्ल्डकप म्यूनिख और स्लोवेनिया में तीन पदक जीतते हुए जीतू ने यह उपलब्धि हासिल की। राष्ट्रीय राइफल संघ ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आईएसएसएफ की मंगलवार को जारी वर्ल्ड रैंकिंग में जीतू नंबर एक निशानेबाज घोषित किए गए। जीतू पहले भारतीय शूटर हैं, जिन्होंने किसी वर्ल्डकप चैंपियनशिप में दो पदक जीते। स्लोवानिया में फ्री पिस्टल स्पर्धा में 0.1 अंक से स्वर्ण चूकने वाले जीतू ने एअर पिस्टल स्पर्धा में 200.8 अंकों के साथ स्वर्ण जीता था। इससे पूर्व म्यूनिख में उन्होंने रजत पर निशाना लगाया।

लखनऊ से सेना के निशानेबाज जीतू सातवें भारतीय हैं, जो विश्व के नंबर वन शूटर बने हैं। उनसे पहले राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, अंजली भागवत, गगन नारंग, मानवजीत सिंह संधू, रोंजन सोढ़ी और हिना सिद्धू निशानेबाजी की अपनी-अपनी स्पर्धा में विश्व में शीर्ष स्थान हासिल कर चुके हैं।

नेशनल किक बॉक्सिंग में उदयपुर के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन

चार स्वर्ण, एक रजत व कांस्य जीता

उदयपुर | जम्मू में आयोजित सातवीं नेशनल जूनियर किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम की ओर से शामिल हुए उदयपुर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, एक रजत व कांस्य पदक हासिल किया।

संघ सचिव विष्णु जोशी ने बताया कि राज्य टीम के खिलाड़ियों के मंगलवार को उदयपुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। मार्शल आर्ट के एरोबिक्स टीम इवेंट में युवराज पांडे, विजय जाट, देवांश क्षौत्रिय ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वैपन्स इवेंट में गुंजन राठौड़ ने टीम को चौथा पदक दिलाया। इसी तरह 60 किलो व्यक्तिगत स्पर्धा में गुंजन ने ही रजत और चिन्मय परसाई ने कांस्य पदक जीता।

जीत के साथ स्टेट अंडर-14 के सेमीफाइनल में पहुंचा उदयपुर

बीकानेर को 10 विकेट से दी शिकस्त

खेल संवाददाता | उदयपुर

राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेली जा रही स्टेट अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उदयपुर ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह तय की। एक तरफा मुकाबले के दूसरे दिन उदयपुर ने आसानी से बीकानेर को 10 विकेट से शिकस्त दी।

आरसीए एकेडमी ग्राउंड पर खेल के दूसरे दिन उदयपुर ने 106 रन की बढ़त के साथ अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 243 रन पर ही घोषित कर दी। जवाब में बीकानेर अपनी दूसरी पारी में भी कुछ खास नहीं कर पाया। उदयपुर की दमदार गेंदबाजी के सामने 108 रन पर ही सिमट गया। उदयपुर के लिए टीपू शेख व संजमपाल सिंह ने 4-4 विकेट लिए। इसके बाद उदयपुर ने मामूली लक्ष्य को बिना विकेट खोए हासिल कर लिया।

प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थापित होगी फुटबॉल एकेडमी

उदयपुर | नेशनल फुट्टा फुटबॉल टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक एस.एस म्यूजिक ने उदयपुर में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए एकेडमी शुरू करने की योजना बनाई है। कंपनी के चेयरमैन चार्ल्स मार्टिन ने बताया कि एकेडमी को लेकर वे जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ और प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

डर्बीशायर के खिलाफ भी विकेट लेने में सफल रहे पंकज

एजेंसी | डर्बी

डर्बीशायर ने भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में अपनी पारी संभाल ली। एक समय 115 रन पर चार विकेट गंवाने वाली डर्बीशायर टीम ने मंगलवार को पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 5/326 रन बना लिए थे। वेस डर्सटन 95 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गोडलमैन 67 और हार्वे 53 रन बना क्रीज पर थे।

भारत की ओर से रविंद्र जडेजा ने दो तथा पंकज सिंह, ईश्वर पांडे और स्टुअर्ट बिन्नी ने एक-एक विकेट लिया। तेज गेंदबाज पंकज सिंह ने पॉल बोरिंगटन (0) का विकेट झटका। लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने कप्तान चेस्नी ह्यूज (23) और ओपनर बेन स्लेटर (54) के विकेट लिए। तेज गेंदबाज ईश्वर पांडे ने एलेक्स ह्यूज (एक) को आउट किया। पंकज को पहले मैच में भी सफलता मिली थी।

जर्मनी 2-1 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

पोर्टो एलेग्रे | जर्मनी ने अल्जीरिया को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के तीनों गोल अतिरिक्त समय में हुए। विजेता टीम के लिए आंद्रे शैरेल ने अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में और ओजिल ने 119वें मिनट में गोल किए। जवाब में अल्जीरिया के जाबोऊ ने 120+2 मिनट में गोल किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। निर्धारित 90 मिनट तक मैच गोलरहित रहा था। तीन बार का वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी 1938 के बाद हर वर्ल्डकप में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। वह 2002, 2006 और 2010 में लगातार तीन बार क्वार्टर फाइनल से आगे तक पहुंचा है। जर्मन टीम मैच में पूरे समय हावी रही, लेकिन उसकी अग्रिम पंक्ति ने दिशाहीन प्रहार कर मौके गंवाए तथा कुछ अवसरों पर अल्जीरियाई गोलकीपर ईसे बोल्ही ने शानदार बचाव किए।

फेडरर क्वार्टर फाइनल में, शारापोवा बाहर

विंबलडन | रॉबरेडो को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया स्विस खिलाड़ी फेडरर ने

रॉबरेडो के खिलाफ रिटर्न करते फेडरर।

एजेंसी | लंदन

स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और स्टेनिस्लास वावरिंका ने आसान जीत के साथ विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, वहीं शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविक भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल्स में रूसी सुंदरी मारिया शारापोवा को शिकस्त का सामना करना पड़ा, तो रोमानिया की सिमोना हालेप और जर्मनी की सबाइन लिसिकी ने चौथे दौर के अपने मुकाबले जीतते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौथी वरीयता प्राप्त 32 वर्षीय स्विस स्टार फेडरर ने मंगलवार को स्पेन के टॉमी रॉबरेडो को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हरा दिया। पांचवीं वरीयता प्राप्त वावरिंका को स्पेन के ही फर्नांडो लोपेज के खिलाफ 7-6, 7-6, 6-3 से मैच अपने नाम करने में संघर्ष करना पड़ा। लगभग दो घंटे चले मुकाबले में लोपेज ने पहले दो सेट टाईब्रेकर तक खींचे, लेकिन वावरिंका से पार पाने में वे नाकाम रहे। वहीं अपने पिछले मैच में कंधे में चोट से परेशान जोकोविक ने सोमवार देर रात खेले गए मैच में फ्रांस के जो विल्फ्रेड सोंगा को 6-3, 6-4, 7-6 से हरा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद जोकोविक ने कहा कि दो दिन के आराम के बाद अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं।

महिला सिंगल्स में पांचवीं वरीय शारापोवा की चुनौती चौथे दौर में समाप्त हो गई। उन्हें जर्मनी की नौवीं वरीयता प्राप्त एंजेलिक कर्बर ने तीन सेटों तक चले मुकाबले में 7-6, 4-6, 6-4 से हराया। अन्य मैचों में हालेप ने जरीना दियास को 6-3, 6-0 से, लिसिकी ने यारोस्लावा श्वेडोवा को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया।

बोपन्ना और पेस की जोड़ियां हारीं

भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना व उनके पाक जोड़ीदार ऐसाम उल हक कुरैशी की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को दूसरे दौर के कड़े मुकाबले में कनाडा के वासेक पोस्पिसिल व अमेरिका के जैक सोक ने 6-7, 7-6, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया। वहीं मिश्रित युगल में लिएंडर पेस और कारा ब्लैक की जोड़ी भी बाहर हो गई। उन्हें बुटोरेक व बेबोस की जोड़ी ने 1-6, 6-2, 6-3 से हराया।